विक्रम सम्वत् 2067 में सम्वत्सर, राजा, मंत्री का संक्षिप्त फल

-शोभन् नाम संवत्सर का फल-

विष्णुविशंती का १७वाँ शोभन नामक नया २०६७ विक्रमी सम्वत् चैत्र शुक्ल प्रतिपदा तद्नुसार १६ मार्च (प्रविष्टे ३ चैत्र) मंगलवार, सन् २०१०ई० से प्रारम्भ होगा। यहाँ से शुभ संकल्प एवं धार्मिक अनुष्ठान आदि कर्मों के "शुभारम्भ" में शोभन नामक संवत्सर का ही प्रयोग होगा।

फल - शोभने वत्सरे धात्री प्रजानां रोग-शोकदा।

तथा सुखिनो लोका बहुसस्यार्घ वृष्टयः॥

शोभन नामक संवत्सर का आगमन होने से पृथ्वी पर लोगों में क्लिष्ट रोग-शोक एवं दु:खों में वृद्धि हो। वर्षा अधिक होने से अनाजादि की पैदावार अच्छी हो, लोगों में सुख के साधनों में वृद्धि होगी। राजनेताओं में परस्पर द्वेष-विग्रह एवं तालमेल की कमी रहेगी। एक-दूसरे को नीचा दिखाने में लगे रहेंगे।

-वर्ष के राजा-भौम का फल-

भौमे नृपे बन्हि भयं जनक्षयं चौराकुलं पार्थिव विग्रहश्च।

दुखं प्रजा-व्याधि वियोग पीड़ा स्वल्पं पयो मुञ्यति वारिवाहः॥

वर्ष का राजा मंगल होने से देश में चोरी-ठगी-बेईमानी एवं हिंसा की घटनायें तथा विशेष रूप से अग्निकाण्ड से जन-धन की हानि होगी। राजनेताओं में परस्पर टकराव रहे। कहीं अतिवृष्टि, कहीं अनावृष्टि होने से सूखा एवं दुर्भिक्ष की जैसी स्थिति बने, लोगों में धर्म-कर्म के प्रति रूचि कम रहे।

-वर्ष के मन्त्री बुध का फल-

शशि सुते शुभ मन्त्रिपदं गते स्वपतिना रमते मदनक्रियाम्।

बहुधनं बहुवादि-समन्वितं यव-मसूर-चणान्न-महर्धताम्॥

अर्थात् वर्ष का मन्त्री बुध हो तो अधिकांश लोग विषय भोगों में लिप्त रहते हैं। वर्षा अधिक हो। जौ-चना-मसूर-तेल-गेहूँ धान्यादि गैस आदि के भाव तेज होंगे। त्वचा सम्बन्धी रोग अधिक होंगे।